Title: Regarding payment of wages to workers of the Border Area Projects in Andaman and Nicobar Islands.

श्री विष्णु पद राय (अंडमान और निकोबार द्वीप समूह) : अध्यक्ष महोदय, मैं संक्षेप में अपनी बात कहूँगा। मैं भारत के आखिरी हिस्से अंडमान और निकोबार द्वीप समूह को रिप्रेजेन्ट करता हूँ। अंडमान निकोबार द्वीप समूह में स्टेट सोशल एडवाइजरी बोर्ड है। उसकी हालत बहुत खराब है। यहां पर करीब 66 कर्मचारी रेगुलर काम करते हैं। 5 बॉर्डर एरिया प्रोजेक्ट्स हैं जिनमें से दो बड़े प्रोजेक्ट्स डिगलीपुर और विम्बरलीगंज में हैं उनके कर्मचारियों की तनख्वाह दिसंबर 2001 से ड्यू है। तीन प्रोजक्ट्स कैम्पबैल बे, नानकौरी और रंगत में हैं जहां के कर्मचारियों की तनख्वाह मार्च 2002 से ड्यू है। इस पर अंडमान निकोबार सोशल एडवाइज़री बोर्ड ने सरकार को और सेन्ट्रल बोर्ड को भी समय-समय पर पत्र देकर मांग की कि सैलेरी तुरंत दी जाए लेकिन इस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। हालत बहुत बिगड़ चुकी है। करीब-करीब 66 रेगुलर कर्मचारी काम करते हैं जिसमें अकाउंट्स क्लर्क, मुख्य सेविका, ड्राइवर्स, पियन्स, ग्राम सेविका और क्राफ्ट इंस्ट्रक्टर्स हैं। मैं सरकार से निवेदन करना चाहता हूँ कि इनको तनख्वाह देने के लिए तुरंत आदेश करें।

एक और दयनीय दृश्य आपके सामने मैं उपस्थित करना चाहता हूँ। करीब-करीब 24 क्राफ्ट इंस्ट्रक्टर्स हैं जो बिना काम किए हुए तनख्वाह ड्रॉ कर रहे हैं। 1976-77 में कुछ सिलाई की मशीनें उनको दी गई थीं। उसके बाद उनके रिपेयर या मेनटेनेन्स का ध्यान नहीं रखा गया और नई मशीनें भी नहीं दी गईं। मशीनें खराब पड़ी हैं और बिना काम किए ही उनको तनख्वाह मिल रही है। उसी तरह से कुछ ड्राइवर्स हैं जिनको बहुत साल पहले जीप्स दी गई थीं। जीप बेकार हो चुकी हैं और बिना काम किए हुए तीन व्हीकल्स के ड्राइवर्स सैलेरी ड्रॉ कर रहे हैं। ड्राइवर्स कोई काम नहीं कर रहे हैं क्योंकि उन जीप्स का रीप्लेसमेंट भी नहीं हुआ और न ही रिपेयर हुई। मैं सरकार से अनुरोध करूँगा कि इस पर ध्यान देकर तुरंत कार्रवाई करें।